SYLLABI AND COURSES OF READING

FOR

M.A. (HINDI) PART - I

2021-2022 & 2022 - 2023 EXAMINATONS

(For Regular and Private Candidates Only)

PUNJABI UNIVERSITY, PATIALA
(Established under Punjab Act. No. 35 of 1961)

(All Copyrights reserved with the University)

Kaushal (Incharge)

Syllabus

M.A. (Hindi) Part-I
Semester I & II
For Session 2021-2022 & 2022–2023
एम.ए. भाग–पहला (सैमेस्टर–पहला)

नोट

रैगुलर तथा प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम एक ही है, परन्तु दोनों के अंक विभाजन भिन्न–भिन्न दर्शाये गये हैं। (आगे पाठ्यक्रम के सभी पेपरों में आवश्यकतानुसार 'रैगुलर' तथा 'प्राईवेट' शब्दों के लिए 'रै.' तथा 'प्रा.' का प्रयोग किया जायेगा।)

रैगुलर विद्यार्थियों के पेपरों का अंक विभाजन 75+25=100 रहेगा। इसमें 75 अंक का लिखित पेपर होगा तथा 25 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

प्राईवेट विद्यार्थियों के पेपर 100 अंक के होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेगा।

पेपर एक : हिन्दी काव्य–1 **(HINM2PUP-T-101)**

पेपर दो : हिंदी भाषा : उद्भव और विकास **(HINM2PUP-T-102)**

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (1850 तक)**(HINM2PUP-T-103)**

पेपर चार : वैकल्पिक अध्ययन

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन **(HINM2PUP-T-104)**
2. पंजाब का हिंदी साहित्य **(HINM2PUP-T-105)**
3. हिंदी पत्रकारिता **(HINM2PUP-T-106)**

चुआइज़ बेसड क्रेडिट सिस्टम के अन्तगर्त CBCS The Open Course (qualifing) **'हिन्दी साहित्य'** का पाठ्यक्रम हिन्दी के विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों के लिए यथास्थान रख दिया गया है।

Incharge)

पेपर एक: हिंदी काव्य–1

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

(1) विद्यापति वैभव–(संपा) डॉ रामसजन पाण्डेय (प्रथम 25 पद) भवदीय प्रकाशन फैजाबाद

(2) कबीर–(संपा) हजारी प्रसाद द्विवेदी (1,2,3,5,8,11,12,13,16,20,22,24,26,27,30, 33,35,40,46,47,57,63,64,65,94 (कुल 25 पद),राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(3) मलिक मोहम्मद जायसी, पद्मावत, कोई भी संस्करण, (केवल नागमती वियोग खण्ड)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा जिसमें प्रत्येक कवि (पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्य भाग) से अथवा के साथ दो अवतरण पूछे जाएंगे जिसके अनुसार विद्यार्थियों को कुल तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी।

रै॰(3×6=18)
प्रा॰(3×8=24)

2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध **'अथवा'** रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो सकता है। (3×9=27, रै॰ (3×12=36, प्रा॰

3 छह (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

रै॰(6×5=30)
प्रा॰(8×5=40)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1.	विद्यापति	–	डॉ. शिवप्रसाद सिंह
2.	कबीर साहित्य की परख	–	परशुराम चतुर्वेदी
3.	कबीर एक अनुशीलन	–	राम कुमार वर्मा
4.	जायसी	–	विजयदेव नारायण साही
5.	जायसी एक नई दृष्टि	–	डॉ. रघुवंश

पेपर दो : हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्य क्रम

1. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।
2. **हिंदी का भौगोलिक विस्तार** : हिंदी की उपभाषाएं– पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।
3. **हिंदी का भाषिक स्वरूप** : हिंदी शब्द–संरचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना, लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में। हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी वाक्य–रचना, पदक्रम और अन्विति।
4. **हिंदी की संवैधानिक स्थिति, मानकीकरण।**
5. **देवनागरी लिपि** : उत्पत्ति, विकास, विशेषताएं और मानकीकरण।

Kaushal

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूर पाठ्यक्रम से सात (प्राईवेट विद्यार्थियों क लिए आठ) लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के चार पाँच पंक्तियों में उत्तर देना अनिवार्य है। अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न– 4×10=40(रै॰)

4×15=60(प्रा॰)

लघु प्रश्न – 7×5 = 35(रै॰)

8×5 = 40(प्रा॰)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा।
3. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास– उदय नारायण तिवारी।
4. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी भाषा– सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी भाषा – कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, प्रा. लि. इलाहाबाद।
6. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप – डॉ. राजमणि शर्मा

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (1850 तक)

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्यक्रम

पाठ्य विषय

1. इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और सीमा–निर्धारण।
4. हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां और नामकरण, प्रवृत्तियां, काव्यधाराएं उनकी प्रवृत्तियां, गद्य साहित्य।
5. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति आंदोलन।
6. (क) निर्गुण संत काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ख) सूफी काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ग) राम काव्य का वैशिष्ट्य।
   (घ) कृष्ण काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ङ) भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
7. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण–ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) और उनकी विशेषताएं, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम स इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के चार पाँच पंक्तियों मे उत्तर देना अनिवार्य है। अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न– 4×10=40(रै॰)

4×15=60(प्रा॰)

लघु प्रश्न – 7×5 = 35(रै॰)

8×5 = 40(प्रा॰)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सं. डॉ. नगेन्द्र।
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो भाग) – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामराजन पाण्डेय।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल'

पेपर चार : (विकल्प–1) हजारीप्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

1. बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिक्ख गुरुओं का पुण्य स्मरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. अशोक के फूल (मात्र आठ निबंध– अशोक के फूल, बसंत आ गया है, मेरी जन्मभूमि, सावधानी की आवश्यकता, भारतीय संस्कृति की देन, पुरानी पाथियां, आलोचना का स्वतन्त्र मान, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचना को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। **रै.(3×6=18)**
   प्रा.(3×8=24)

2. प्रत्येक रचना से संबंधित दो–दो दीर्घ प्रश्न 'अथवा' के साथ शत प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को तीनों रचनाओं से संबंधित एक–एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। **रै.(3×9=27)**
   प्रा.(3×12=36)

3. छह (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा। **रै.(6×5=30)**
   प्रा.(8×5=40)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी– सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
2. शान्ति निकेतन से शिवालिक – सं. शिवप्रसाद सिंह।
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य -चौथी राम यादव।
4. साहित्यकार और चिन्तक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी–राममूर्ति त्रिपाठी।
5. निबंधकार : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी डॉ. रवि कुमार 'अनु'।

पेपर चार : (विकल्प–2) पंजाब का हिन्दी साहित्य–1

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

1. गुरु तेगबहादुर की वाणी– (संपादक) गुरदेव कौर व जी.एस. आनंद पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
2. मय्यादास की माड़ी (उपन्यास), भीष्म साहनी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. लहरों के राजहंस (नाटक) मोहन राकेश (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक कवि/लेखक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछे जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचना को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। **रै.(3×6=18)**
   प्रा.(3×8=24)

2. प्रत्येक कवि/लेखक, रचना से संबंधित दो–दो दीर्घ प्रश्न 'अथवा' के साथ शत प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को तीनों रचनाओं से संबंधित एक–एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। **रै.(3×9=27)**
   प्रा.(3×12=36

3. छह (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा। **रै.(6×5=30)**
   प्रा.(8×5=40)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास – चन्द्रकान्त बाली
2. भीष्म साहनी : उपन्यास साहित्य – विवेक द्विवेदी
3. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
4. गुरु तेग बहादुर : जीवन, दर्शन और विवेचन – (संपादक), प्रेम प्रकाश सिंह पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।
5. गुरू तेग बहादुर : सन्दर्भ और विश्लेषण – सुखविन्दर कौर बाठ

पेपर चार : (विकल्प–3) हिन्दी पत्रकारिता

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. पत्रकारिता : अवधारणा और स्वरूप
2. पत्रकारिता के विविध रूप (क्षेत्र)
3. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
4. पत्रकार के गुण/ अपेक्षाएं
5. (क) सम्पादन कला : सम्पादक का दायित्व, सम्पादन के सिद्धान्त
   (ख) सम्पादन कार्य : सामग्री चयन, अंक योजना
   (ग) सम्पादकीय लेखन : पत्रिका की भाषा
6. साहित्यिक पत्रकारिता
7. समाचार पत्र : स्वरूप, महत्त्व, दायित्व

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न बिना विकल्प पूछे जाएंगे, जिनका उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न– 4×10=40(रै॰)

4×15=60(प्रा॰)

लघु प्रश्न – 7×5 = 35(रै॰)

8×5 = 40(प्रा॰)

Kaushal

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. जन पत्रकारिता, जन संचार एवं जन सम्पर्क – सूर्यप्रसाद दीक्षित (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
2. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – चन्द्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन दिल्ली)
3. पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम – सुशीला जोशी (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)
4. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत – कन्हैया अगनानी (राजस्थानी हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर)
5. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ – विनोद गोदरे (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार – ठाकुर दत्त आलोक (वाणी प्रकाशन दिल्ली)
7. चौथे स्तम्भ की चुनौतियां – हरियाणा साहित्य अकादमी

एम.ए. भाग–पहला
(सैमेस्टर–दूसरा)
For Session 2021-2022 & 2022–2023

द्वितीय सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेगा।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर एक : हिन्दी काव्य–2 **(HINM2PUP-T-201)**

पेपर दो : भाषा विज्ञान **(HINM2PUP-T-202)**

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **(HINM2PUP-T-203)**

पेपर चार : वैकल्पिक अध्ययन

1. हिन्दी कथा साहित्य **(HINM2PUP-T-204)**
2. पंजाब का हिन्दी साहित्य–2 **(HINM2PUP-T-205)**
3. अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष **(HINM2PUP-T-206)**

पेपर एक : हिंदी काव्य–2

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

(1) तुलसीदास : **रामचरितमानस (सुन्दरकाण्ड),** गीताप्रैस गोरखपुर

(2) सूरदास : **सूरसागर सटीक**, सं – धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद

(क) विनय तथा भक्ति – पद (संपा) 1,2,21,22,24, 25,(6)

(ख) गोकुल लीला – पद (संपा) 7,10,12,18,20,23,26, 33,45 ,60(10)

(ग) उद्धव संदेश, – पद (संपा) 41 44,53,68,69,77,82,86,120 (कुल नौ पद)

(3) बिहारी : बिहारी का नया मूल्यांकन, (संपा) बच्चन सिंह, (प्रथम 50 दोहे)
लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा जिसमें प्रत्येक कवि (पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्य भाग) से 'अथवा' के साथ दो अवतरण पूछे जाऐंगे जिसके अनुसार विद्यार्थियों को कुल तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी।

3×6=18**(रै०)**
3×8=24**(प्रा०)**

2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठयक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही, सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो।

3×9=27**(रै०)**
3×12=36**(प्रा०)**

3. छह (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा।

6×5=30(रे॰)

8×5=40(प्रा॰)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. तुलसीदास – डा. उदयभानु सिंह
2. सूरदास – डॉ. हरवंश लाल शर्मा
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
4. महाकवि सूरदास – नंद दुलारे वाजपेयी
5. बिहारी की साहित्य साधना – डॉ. हरवंश लाल शर्मा
6. बिहारी वाग्विभूति – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. भक्तिकाव्य : प्रयोजन और प्रभाव – डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल'

पेपर दूसरा : भाषा विज्ञान

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. **भाषा विज्ञान :** सिद्धांत पक्ष– भाषा की उत्पति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताएं और प्रवृत्तियां, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण।
2. **ध्वनि–विज्ञान :** ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि–नियम, ग्रिम–नियम, ग्रासमेन–नियम, बर्नर–नियम।
3. **अर्थविज्ञान :** अर्थ–परिवर्तन, अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार), अर्थ–परिवर्तन के कारण।
4. **वाक्य विज्ञान :** स्वरूप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।
5. **भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण :** वर्गीकरण का आधार, भारोपीय परिवार महत्त्व, शाखाएं, विशेषताएं।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका बिना विकल्प के उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन
दीर्घ प्रश्न– 4×10=40(रै०)
4×15=60(प्रा०)
लघु प्रश्न–7×5=35(रै०)
8×5=40(प्रा०)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान – बाबू राम सक्सेना
5. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी
6. आधुनिक भाषा–विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राष्ट्रीय क्रांति और पुनर्जागरण
2. भारतेन्दु युग : हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां, द्विवेदी युग : हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां।
3. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता, साहित्यिक विशेषताएं।
4. हिन्दी गद्य की विधाएं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र जीवनी, आत्मकथा का विकास)
5. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका बिना विकल्प के उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न– 4×10=40(रै॰)
4×15=60(प्रा॰)
लघु प्रश्न–7×5=35(रै॰)
8×5=40(प्रा॰)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास – डॉ. श्रीकृष्ण लाल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामरंजन पाण्डेय
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ लालचन्द गुप्त 'मंगल'

पेपर चार : (विकल्प--1) हिंदी कथा साहित्य

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. गोदान (प्रेमचन्द)
2. मानस का हंस (अमृतलाल नागर)
3. मेरी प्रिय कहानियां (मन्नु भंडारी) (राजपाल एंड संज, दिल्ली)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक लेखक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। (3×6=18) **रै**

   (3×8=24)**प्रा**

2. निर्धारित लेखकों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो।

   (3×9=27) **रै.**

   (3×12=36)**प्रा**

3. छह (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा।

(6×5=30) रै.

(8×5=40)प्रा.

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. अमृतलाल नागर के उपन्यास – हेमराज कौशिक, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
2. कथाकार मन्नू भंडारी – अनीता राजूरकर
3. गोदान मूल्यांकन और मूल्यांकन – इन्द्रनाथ मदान
4. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य–गोपाल राय
5. हिन्दी उपन्यास और अमृतलाल नागर – प्रेम शंकर त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

पेपर चार (विकल्प–2) पंजाब का हिन्दी साहित्य–2

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. विचित्र नाटक (केवल पहले छह अध्याय) शिरोमणि गु.प्र.कमेटी, अमृतसर।
2. संचयन : इन्द्रनाथ मदान के ललित निबन्ध, (संपादक) डॉ. हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. समय सरगम (उपन्यास) कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक कवि/लेखक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। अंक (3×6=18) **रै.**
(3×8=24)**प्रा.**

2. निर्धारित कवि/लेखकों, रचनाओं से सम्बद्ध **'अथवा'** रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित ना रहकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। (3×9=27) रै.
(3×12=36)प्रा.

3. छह (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा।
(6×5=30) **रै.**
(8×5=40)**प्रा.**

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. गुरु गोबिन्द सिंह और उनकी कविता - महीप सिंह
2. गुरु गोबिन्द सिंह : समाज और सौन्दर्य –वीणा अग्रवाल
3. दशम गुरु : जीवन–दर्शन – हरियाणा साहित्य अकादमी
4. एक नज़र कृष्णा सोबती पर – डॉ रोहिणी
5. कृष्णा सोबती : लेखन और नारीवाद – डॉ. रेखा सेठी

पेपर चार (विकल्प–3) : अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष

प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35

रैगुलर विद्यार्थियों के लिए
लिखित परीक्षा : 75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
पास अंक : लिखित में 26
आंतरिक में 9

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अनुवाद परिभाषा, प्रक्रिया, महत्त्व
2. अनुवाद में समतुल्यता का सिद्धांत
3. अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका
4. अनुवाद के प्रकार : प्रकृति के आधार पर
5. पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत, विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व
6. साहित्यानुवाद : कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद / समस्याएं।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात (प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए आठ) लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न 4×10=40 (रै.)

4×15=60 (प्रा.)

लघु प्रश्न 7×5=35(रै.)

8×5=40(प्रा.)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग – जी. गोपीनाथन (लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद)
2. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार – जयंतीप्रसाद नौटियाल (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. अनुवाद : संवेदना और सरोकार – सुरेश सिंहल (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिन्दी अनुवाद : समस्या और समाधान – जितेन्द्र दास (निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली)
5. अनुवाद : अवधारणा और आयाम – सुरेश सिंहल (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
6. हिन्दी अनुवाद विमर्श (दो भाग) – अवधेश कुमार सिंह